

संधी शोधण्यापेक्षा ती तयार करा : डॉ. अडसूळ

शैक्षणिक : आंबी येथील डॉ. डी. वाय. पाटील अभियांत्रीकी विद्यालयात पदवीदान सोहळा

तळेगाव दाभाडे, दि. २७ (वार्ताहर) जनसंपर्क अधिकारी स्शांत पाटील, - जीवनात यशस्वी होण्यासाठी मोठी प्राचार्य डॉ. अभय पवार, डॉ. ध्येय बाळगा. संधी शोधण्यापेक्षा ती विलास नितनवरे, उपप्राचार्य प्रकाश तयार करा. कुठल्याही परिस्थीतीत पाटील तसेच सर्व विभाग प्रमुख मागे न हटता निर्णय घ्या. आयुष्य उपस्थित होते. हे संघर्षमय आहे. पदवीचे शिक्षण डॉ. अडसूळ पुढे म्हणाले की,

डॉ. डी. वाय. पाटील कॉलेज ऑफ करा इंजिनिअरींग आणि हो, वाद पाटील इन्स्टिट्यूट ऑफ इंजिनिअरींगचा शाखेतील ४४० विद्यार्थांना अडसूळ पदावी ग्रहण समारंभात प्रमुख जाहुओं वांच्या हस्ते पदवी ग्रदान करण्यात म्हणून डॉ. अडसुळ बोलत हांते. या आली. कार्यक्रमाच्या सुरूवातीला

षेत असताना तुमच्या आवडी निवडी विद्यार्थी दशेत भविष्याची दिशा ओळखा आणि त्या दृष्टीने प्रयत्म मिळणे गरजेचे आहे. ही दिशा करा, असे प्रतिशादन साविश्रीबार्ड फुले मिळाल्यास पुढचा प्रवास सोपा जातो पुणे विद्यापीठाचे माजी कुलगुरू डॉ. आणि इच्छित ध्येयापर्यंत पोहचता अरूण अडस्ळ यांनी व्यक्त केले. येते. त्यामुळे ही दिशा तुमच्या आंबी (ता. मातल) येथील महाजिद्यालयीन जीवनातच निश्चित

भहाविद्यालयाच्या वेळी विश्वस्त बी. डी. कोटकर, मुख्य परीक्षा निरीक्षक अधिकारी प्रा.



आंबी : पदवीप्रदान सोहळ्याप्रसंगी (डावीकडून) विलास नितनवरे, डॉ. अरूण अडसूळ, बी. एस कोटकर, डॉ. अभय पवार, डॉ. प्रकाश पाटील तसेच विभाग प्रमुख.

संतोष बारी आणि प्रा. मोरेश मुखेडकर अध्यक्ष विजय पाटील, संकुल पाटील यांनी कार्यक्रम यशस्वीतेमाठी यांच्या नेतृत्वाखाली विद्यालयाच्या संचालक व्ही. रमेश यांचे मार्गदर्शन आवारात दिश्चांत संचलन करण्यात

मिळाले. व्यवस्थापक बी. एस. देसले यांनी केले. प्रा. प्रभुदेव यांनी आले. या कार्यक्रमास संस्थेचे गायकवाड आणि निबंधक अशोक

प्रयत्न केले. सत्रसंचालन प्रा. वृषाली

GRADUATION CEREMONY





मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग के अलावा सेल्स, मार्केटिंग, एप डेवलपमेंट और साइबर सिक्योरिटी में बढ़े अवसर

20 लाख नए जॉब मिलेंगे टेलीकॉम इंडस्टी में

शहरी क्षेत्रों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में स्मार्टफोन उपयोग करने वाले लोगों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। 2020 के अंत तक भारत दुनिया का चौथा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार होगा। ऐसे में इस क्षेत्र में रोजगार बढ़ने की संभावनाएं ज्यादा हैं। इसीलिए मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग युवाओं के लिए बेहतर विकल्प बन सकता है।

पिछले महीने जारी हुई एक रिपोर्ट के अनुसार इंटरनेट डेटा की बढ़ती मांग और नए सर्विस प्रोवाइडर की संख्या बढ़ने से देश की टेलीकॉम इंडस्ट्री में रोजगार के अवसर बढ़ोंग 2017 के अंत तक इस क्षेत्र में करीब 20 लाख नए लोगों को रोजगार मिलेगा। इसमें से करीब 17 लाख नौकरियां मोबाइल हैंडसेट बनाने वाली या इससे संबंधित कंपनियों में मिलेगी, जबिक सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों में लगभग 3.5 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा।

हालांकि पिछले 6 वर्षों में देश भी मोबाइल इंटरनेट की तेजी से बढ़ती मांग से मोबाइल उपभोक्ताओं की संख्या में इजाफा देखने को मिला है। एक रिपोर्ट के अनुसार 2014 से 2017 के दीरान मोबाइल सर्विस बाजार की कमाई सालाना 5.2 फीसदी की दर से बढ़ेगी। वहीं मोबाइल मैन्युफेक्चिरिंग का बाजार भी देश में तेजी से बढ़ रहा है। 2019 के अंत तक देश में करीब 18 करोड़ स्मार्टफोन होंगे, जो विश्व में कुल स्मार्टफोन का करीब 13.5 फीसदी है। 2020 के अंत तक विश्वभर में प्रत्येक तीन फोन में दो स्मार्टफोन होंगे और भारत दुनिया का चीथा सबसे बड़ा स्मार्टफोन बाजार होगा। स्मार्टफोन और मोबाइल उपभाक्ताओं की बढ़ती संख्या से टेलीकॉम इंडस्ट्री में रोजगार के नए

अवसर बढ़ रहे हैं।
इस सेक्टर में विभिन्न स्किल वाले
प्रोफेशनल के लिए जॉब के मौके हैं, जिसमें
इंटरनेट ऑफ थिंग्स, मोबिलिटी सॉल्यूशंस,
टेलीकॉम इंफ्रास्ट्रक्चर, नेटवर्क ऑकिटेक्चर,
सेल्स, एप्लीकेशन डंक्लएप और साइबर



सिक्योरिटी के क्षेत्र में नीकरी के अवसर हैं। ऐसे में कंप्यूटर साइस, कंप्यूटर एप्लीकेशन और मैनेजमेंट क्षेत्र के युवाओं के लिए इसमें कॅरिअर के बेहतर विकल्प हैं। इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग या इससे संबंधित क्षेत्र के प्रोफेशनल की भी इस क्षेत्र में मांग रहती है।

साइंस और मैनेजमेंट बैकग्राउंड वाले छात्रों के लिए विकल्प

साइंस स्ट्रीम से 12वीं करने वाले छात्र कंप्यूटर साइंस, कंप्यूटर एप्लीकेशन, साइवर सिक्योरिनी, टेलीकॉम इंफास्ट्रक्चर, वा इलेक्ट्रीकॉ इंजीनियरिंग से संबंधित बैचलर कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। बारहर्जी में मैथ्स विषय जरूरी है। इंजीनियरिंग के लिए छात्र जेईईं मेन के माध्यम में बैचलर डिग्री कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। वहीं अन्य स्ट्रीम के बैचलर कोर्स में प्रवेश हो लिए छात्र विभिन्न संस्थानों द्वारा आयोजित होने वाले एंट्रेंस टेस्ट में भाग ले सकते हैं। साइबर सिक्गोरिटी के क्षेत्र में कॅरिअर बनाने के लिए इसके डिप्लोमा कोर्स में भी प्रवेश ले सकते हैं। संल्स या मार्केटिंग से एमबीए करने वाल छात्र भी इस क्षेत्र में कॅरिअर बना सकते हैं।

निजी क्षेत्र में ज्यादा मौके

इस क्षेत्र में प्रोफेशनल के लिए मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग यूनिट, टेलीकॉम सर्विस प्रोवाइडर कंपनियों में जॉब के अवसर हैं। इस क्षेत्र में

अधिकांश नौकरियां प्राइवेट सेक्टर में ही मौजूद हैं। सरकार के अनुसार पिछले एक साल में 37 नए मोबाइल मैन्युफेक्चरिंग प्लांट शुरू हुए। ऐसे में इस क्षेत्र में नौकरी की संभावनाएं भी ज्यादा हैं।

2-3 लाख रु. शुरुआती पैकेज

इस क्षेत्र में फ्रेशर को औसतन 2 से 3 लाख रुपए का सालाना पैकेज मिलता है। मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में फ्रेशर को 18 से 25 हजार रुपए पृति माह पैकेज मिलने की संभावना होती है। अनुभव के बाद सालाना पैकेज 4 से 6 लाख रुपए तक होने की संभावना होती है।

इलेक्ट्रॉनिक्स धोरणाला मंजुरी, १ लाख रोजगारनिर्मिती शक्य

प्रतिनधी । मंबर्ड

आगामी ५ वर्षात जागतिक पातळीवर इलेक्ट्रॉनिक्स हव म्हणून राज्याची प्रतिमा निर्माण करण्याचे सामर्थ्य असलेल्या 'महाराष्ट्र इलेक्ट्रॉनिक्स धोरणाला' राज्य मंत्रिमंडळाच्या वेठकीत मंगळवारी मंजरी देण्यात आली. पाच वर्षांच्या कालावधीत राज्यात ३०० कोटी डॉलर्सच्या गंतवणकीसह १२०० कोटी डॉलर्सच्या उलाढालीचे लक्ष्य या घोरणात आहे. या माध्यमातन एक लाख अतिरिक्त रोजगाराची निर्मिती अपेक्षित आहे. यासाठी आवश्यक कौशल्य, माहिती तंत्रज्ञान उद्योगासाठी अनुकूल स्थिती याद्रष्टीने राज्याच्या या धोरणाचा मसुदा तयार करण्यात आला आहे.

राज्याचे महत्त्वाकांक्षी इलेक्ट्रॉनिक्स धोरण

 एक लाख अतिरिक्त रोजगाराची निर्मिती = इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग घटक स्थापन करण्यासाठी एक खिडकी योजना = गुंतवणूकदारांच्या समस्यांचे निराकरण करून त्यांना पायाभूत सेवासुविद्यांचा पुरवठा करण्यावर भर = इलेक्ट्रॉनिक्स, नॅनो इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्रात संशोधन, विकासाला अधिकाधिक निथी.



मराठवाडा, विदर्भाकडे विशेष लक्ष

प्रारंभी ५ हजार कोटी आणि त्यानंतरच्या १० वर्षांत किमान १० हजार कोटी गुंतवणुकीची क्षमता असणारे मराठवाडा व विदर्भातील असे उद्योगच आर्थिक प्रोत्साहन मिळण्यास पात्र. सक्लतीच्या दरात जिमनी, १५ वर्षांसाठी विद्यत शुल्क माफो आणि व्हॅटसह सीएसटीची १०० टक्के प्रतिपूर्ती मिळेल.